नवभारत
भोपाल, शनिवार 8 अगस्त, 2026

कभी भी जमींदोज हो सकती है स्कूल की इमारत

खास बातें

- मजबूरी में 45 बच्चे, सामुदायिक भवन कर रहे पढ़ाई
- बिना छत के शौचालय, पीने के पानी और ब्लैकबोर्ड तक की सुविधा नहीं

नवभारत न्यूज

विदिशा 7 अगस्त, जिले के गांव, कस्बा में सरकारी स्कूलों की हालत ज्यादा ठीक नहीं है जो दावे किये जाते हालात उनके उलट नजर आते है. बात अगर ग्यारसपुर क्षेत्र के सरकारी स्कूलों की बात की जायें तो एक गंभीर तस्वीर सामने आती है. यहां पर बच्चों को बैठने के लिये एक मुकम्मल छत तक नहीं है. बच्चे लम्बे समय से सामुदायिक भवन बैठकर पढ़ाई करने के लिये मजबूर है. पीने के लिये स्कूल में पानी नहीं है. वह अपने घर यहां स्कूल से 200 मीटर दूर स्थित हैंडपम्प से पानी का इंतजाम करते है. स्कूल की बदहाली यहीं तक नहीं रुकती, इसके आगे जाकर 8 वीं तक के बच्चों को बिना छत का सौचालय मिला है. यहां पर्याप्त जगह नहीं होने से करीब 45 विद्यार्थियों को बैठने और पढ़ाई करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

ग्रामीणों के अनुसार स्कूल भवन की दीवारों और छत से लगातार प्लास्टर झड़ रहा है. भवन के कई हिस्सों में दरारें आ चुकी हैं तथा छत का एक पिलर भी झुक गया है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है. इसी कारण बच्चों को जर्जर भवन में बैठाना सुरक्षित नहीं माना जा रहा है. विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है. शौचालय बिना छत के हैं, जिससे उनका उपयोग करना मुश्किल हो गया है. पीने के पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है. इतना ही नहीं, पढ़ाई के लिए ब्लैकबोर्ड भी खराब हालत में है, जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है. नए शैक्षणिक सत्र के कई माह बीत जाने के बावजूद विद्यार्थियों को अब तक स्कूल ड्रेस भी उपलब्ध नहीं कराई गई है. ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय के लिए शीघ्र नया भवन स्वीकृत कर निर्माण कराया जाए तथा तब तक अस्थायी रूप से बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए. साथ ही पेयजल, शौचालय, ब्लैकबोर्ड और अन्य आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों को समय पर ड्रेस वितरित करने की भी मांग की गई है. उनका कहना है कि शिक्षा के अधिकार के साथ बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है.

कई वर्षों से पानी की समस्या, स्कूल में छात्र-छात्राएं परेशान

- मुरझिरी गांव के स्कूल में पेयजल संकट
- 8वीं के बाद 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है पढ़ने

ग्यारसपुर के विकासखंड ग्राम मुरझिरी में वर्षों से पेयजल संकट बना हुआ है. गांव के शासकीय स्कूल में पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से करीब 60 छात्र-छात्राओं को रोज परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बारिश के मौसम में भी स्कूल परिसर में लगे हैंडपंप से मुश्किल से 10 बाल्टी पानी ही निकल पाता है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की जरूरत पूरी नहीं हो पाती. ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में अध्ययनरत अधिकांश बच्चे आदिवासी समुदाय से हैं. पेयजल की कमी के कारण बच्चों को कई बार घर से पानी लाना पड़ता है या फिर सीमित पानी में ही काम चलाना पड़ता है. इससे पढ़ाई के साथ-साथ स्वच्छता भी प्रभावित हो रही है. ग्रामीणों ने बताया कि गांव में केवल 8वीं तक ही स्कूल संचालित है. इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को करीब 15 किलोमीटर दूर सीहोद के हायर सेकेंडरी स्कूल जाना पड़ता है. परिवहन सुविधा और दूरी के कारण कई बच्चे आगे की पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से स्कूल में स्थायी पेयजल व्यवस्था, हैंडपंप की मरम्मत तथा गांव में शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग की है, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल में शिक्षा मिल सके.

द्वादश स्कंध भागवत का सार, श्रीहरि की भक्ति से ही जीवन होता है सफल

नवभारत न्यूज

विदिशा. श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास ने द्वादश स्कंध का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत मानव जीवन को धर्म, ज्ञान, भक्ति और मोक्ष की ओर ले जाने वाला दिव्य ग्रंथ है. उन्होंने बताया कि भागवत के 12 स्कंध जीवन के विभिन्न आयामों का मार्गदर्शन करते हैं. प्रथम से पंचम स्कंध तक सत्संग, ज्ञान और उसे जीवन में उतारने का संदेश है, जबकि षष्ठम से अष्टम स्कंध में ईश्वर की कृपा, संत धर्म और रासलीला के आध्यात्मिक स्वरूप का वर्णन है. नवम और दशम स्कंध में श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के आदर्श जीवन का वर्णन मिलता है. एकादश स्कंध भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का उपदेश देता है, जबकि द्वादश स्कंध कलियुग की स्थिति बताते हुए श्रीहरि की शरण में जाने की प्रेरणा देता है.

सेंट मैरी पीजी कॉलेज में एनसीसी कैडेट भर्ती संपन्न, तीन चरणों की चयन प्रक्रिया के बाद 30 विद्यार्थियों का चयन

नवभारत न्यूज

विदिशा. सेंट मैरी पीजी महाविद्यालय में 14 एमपी बटालियन के मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेट भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई. भर्ती का आयोजन कमांडिंग अधिकारी कर्नल अंशुभान सिंह, एडम अफसर लेफ्टिनेंट कर्नल सनी वैध, नायब सूबेदार सागर पवार, बीएचएम सिंधे माधव, महाविद्यालय के संचालक फादर सिन्टो वर्गिस, प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सचान एवं एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. रामानंद मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया. भर्ती प्रक्रिया में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

भर्ती प्रक्रिया तीन चरणों में आयोजित की गई. प्रथम चरण में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का शारीरिक परीक्षण किया गया. दूसरे चरण में लिखित परीक्षा आयोजित कर एनसीसी से संबंधित सामान्य ज्ञान का परीक्षण लिया गया. तीसरे एवं अंतिम चरण में साक्षात्कार के माध्यम से विद्यार्थियों की मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता तथा एनसीसी में शामिल होने के उद्देश्य का मूल्यांकन किया गया. तीनों चरणों में सफल अभ्यर्थियों का ही अंतिम चयन किया गया. भर्ती में लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 30 विद्यार्थियों का चयन एनसीसी कैडेट के रूप में हुआ. अधिकारियों ने इसे युवाओं में बढ़ती देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का सकारात्मक संकेत बताया.

इस अवसर पर महाविद्यालय के संचालक फादर सिन्टो वर्गिस ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी ऐसा मंच है, जो युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने, देश के प्रति समर्पित रहने तथा सेना जैसी अनुशासित कार्यशैली का प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर देता है. उन्होंने विद्यार्थियों से एनसीसी में पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया. एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. रामानंद मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शासकीय एवं अशासकीय नौकरियों में एनसीसी प्रमाणपत्र का महत्व लगातार बढ़ा है. इसी कारण छात्र-छात्राएं इसे अपने करियर के लिए भी उपयोगी मानते हुए बड़ी संख्या में जुड़ना चाहते हैं.

53 पदकों के साथ ओलंपस हाई बना एसजीएफआई जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का चैंपियन

- 23 स्वर्ण, 19 रजत और 11 कांस्य पदक जीते
- विद्यालय के 24 तैराक संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

नवभारत न्यूज

विदिशा. ओलंपस हाई स्कूल में आयोजित एसजीएफआई जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. प्रतियोगिता जिला खेल अधिकारी प्रशांत रघुवंशी, ब्लॉक खेल अधिकारी अंबेश सोनी एवं भूपेंद्र शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई. जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभाशाली तैराकों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया.

प्रतियोगिता में ओलंपस हाई स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 23 स्वर्ण, 19 रजत और 11 कांस्य सहित कुल 53 पदक अपने नाम किए और प्रतियोगिता का चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया.

प्रतियोगिता के दौरान अंडर-17 बालक वर्ग में एकम सिंह, अंडर-17 बालिका वर्ग में सिद्धि शाह, अंडर-19 बालक वर्ग में अभिनव शुक्ला, अंडर-19 बालिका वर्ग में पूजा शर्मा तथा अंडर-14 बालक वर्ग में प्रतीक रघुवंशी को बेस्ट स्विमर चुना गया. सभी विजेता ओलंपस हाई स्कूल के खिलाड़ी हैं. प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के 24 तैराकों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन भी हुआ. प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के हेड एवं मैनेजर गुंजन सक्सेना, हेड स्विमिंग कोच रमेश शुक्ला, असिस्टेंट स्विमिंग कोच निकिता वर्मा सहित सभी कोच एवं खेल स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही. पूरे आयोजन के दौरान प्रबंधन, अनुशासन, समन्वय एवं व्यवस्थाओं की सभी ने सराहना की. विद्यालय के निदेशक मोहित रघुवंशी ने स्कूल खेल विभाग एवं आयोजन टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिता का सफल संचालन टीमवर्क, समर्पण और बेहतर समन्वय का परिणाम है. उन्होंने कहा कि भविष्य में भी सभी विभाग इसी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए विद्यालय के आयोजनों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे. उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि शाम के समय स्पोर्ट्स एकेडमी में मिलने वाले नियमित प्रशिक्षण का सकारात्मक परिणाम अब प्रतियोगिताओं में स्पष्ट दिखाई दे रहा है. ओलंपस हाई स्कूल प्रबंधन की ओर से डायरेक्टर प्राची रघुवंशी ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, प्रतिभागी विद्यालयों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों, निर्णायकों, कोच एवं सपोर्ट स्टाफ का आभार व्यक्त किया.

बालिका जन्म पर मिलेगा 'स्वागत लक्ष्मी बेबी किट', कलेक्टर की पहल से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को मिली नई मजबूती

नवभारत न्यूज

विदिशा. जिले में बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर की पहल पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत सभी शासकीय चिकित्सालयों में बालिका जन्म पर 'स्वागत लक्ष्मी बेबी किट' प्रदान की जा रही है. इस पहल का उद्देश्य बालिका के जन्म को सम्मान और उत्सव के रूप में स्थापित करना तथा समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है.

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस अभियान के तहत शासकीय अस्पतालों में जन्म लेने वाली प्रत्येक नवजात बालिका को बेबी किट उपलब्ध कराई जा रही है. किट में नवजात शिशु की प्रारंभिक देखभाल के लिए आवश्यक सामग्री शामिल है, जिससे बालिका के स्वास्थ्य और संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है. जिले में अब तक 250 से अधिक नवजात बालिकाओं को 'स्वागत लक्ष्मी बेबी किट' वितरित की जा चुकी है. इस पहल से परिवारों को सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है और बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है. जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि यह पहल बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. महिला एवं बाल विकास विभाग स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से जिले के सभी शासकीय चिकित्सालयों में बेबी किट वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहा है. महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि सुरक्षित मातृत्व एवं नवजात शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता दें तथा बालिका जन्म को गर्व और खुशी के साथ अपनाकर बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण में सहभागी बनें.

विश्व स्तनपान सप्ताह पर गर्भवती एवं धात्री माताओं को किया जागरूक

नवभारत न्यूज

विदिशा. विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत सेक्टर युवराज क्लब स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 150 में जागरूकता कार्यक्रम एवं मंगल दिवस का आयोजन किया गया. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती प्रीति रैकवार ने सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती क्षमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में गर्भवती एवं धात्री माताओं को स्तनपान, संतुलित पोषण, स्वच्छता तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य की जानकारी दी. इस दौरान माताओं को जन्म के तुरंत बाद नवजात को मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) पिलाने के महत्व से अवगत कराया गया. बताया गया कि यह दूध शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ उसके स्वस्थ विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है.

9 अगस्त को होगा नव दम्पति दायित्व बोध शिविर

नवभारत न्यूज

विदिशा. अखिल विश्व गायत्री परिवार, विदिशा द्वारा 9 अगस्त को नवविवाहित दम्पतियों के लिए नव दम्पति दायित्व बोध शिविर का आयोजन किया जाएगा. शिविर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक गायत्री शक्तिपीठ, राजीव नगर, देहात थाना के पास आयोजित होगा.

शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में दाम्पत्य जीवन की जिम्मेदारियां, पारिवारिक समन्वय, आपसी संवाद, विश्वास, सहयोग और संस्कारयुक्त परिवार निर्माण जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा. अनुभवी वक्ता भारतीय संस्कृति पर आधारित आदर्श गृहस्थ जीवन और पारिवारिक मूल्यों पर भी प्रकाश डालेंगे. गायत्री परिवार की प्रमुख ट्रस्टी श्रीमती सुमन भदौरिया ने बताया कि शिविर का उद्देश्य नवदंपतियों को सुखी, संतुलित और उत्तरदायी पारिवारिक जीवन के लिए प्रेरित करना है. उन्होंने जिले एवं आसपास के नवविवाहित दम्पतियों से समय पर पहुंचकर इस संस्कारवर्धक शिविर का लाभ लेने की अपील की.

भ्रमण ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, अधिकारियों को दिए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर का त्योंदा दौरा, स्कूल, अस्पताल, थाना और पंचायत का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

विदिशा. मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को त्योंदा तहसील का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने जनहित योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी, ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उनके साथ पुलिस अधीक्षक, एसडीएम गंजबासौदा सहित जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे.

भ्रमण की शुरुआत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय त्योंदा से हुई. कलेक्टर ने कक्षाओं, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और शौचालयों का निरीक्षण किया तथा शिक्षकों से विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली. उन्होंने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई, पेयजल तथा बेंच-डेस्क की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन के साथ खेलकूद और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया. इसके बाद कलेक्टर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र त्योंदा पहुंचे, जहां उन्होंने ओपीडी, वार्ड, लेबर रूम और दवा वितरण काउंटर का निरीक्षण किया. सीएमएचओ से दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. प्रसव सेवाओं, टीकाकरण, आयुष्मान भारत योजना के तहत उपचार और अस्पताल परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए.

कलेक्टर ने थाना त्योंदा का निरीक्षण कर दर्ज शिकायतों, लंबित प्रकरणों और महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की समीक्षा की. पुलिस अधीक्षक को क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने, नशे और अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा आमजन की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. इसके उपरांत उन्होंने ग्राम पंचायत त्योंदा में पंचायत भवन, उचित मूल्य की दुकान तथा विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया. पंचायत सचिव एवं जनप्रतिनिधियों से मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन तथा पेयजल योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना चाहिए. भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों से भी चर्चा की. बढ़ई, लोहार, दर्जी सहित अन्य पारंपरिक कारीगरों से संवाद करते हुए उन्होंने योजना के तहत उपलब्ध टूलकिट, प्रशिक्षण और ऋण सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया. साथ ही कारीगरों को बाजार से जोड़ने और उनकी आय बढ़ाने पर भी जोर दिया. अंत में कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक लेकर मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है. सभी अधिकारी फील्ड में जाकर कार्य करें, आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान करें तथा राजस्व प्रकरण, सीमांकन और नामांतरण जैसे कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें. कलेक्टर के दौरे से त्योंदा क्षेत्र में प्रशासनिक सक्रियता बढ़ी है.